आग की पहाड़ी

जोआन सैंडिन

चित्र : थॉमस लुईस

आग की पहाड़ी

जोआन सैंडिन

चित्र : थॉमस लुईस

एक बार मेक्सिको में एक किसान रहता था.

वो एक छोटे से गाँव के घर में रहता था.

उसके घर में केवल एक कमरा था.

किसान खुश नहीं था.

"यहाँ कभी कुछ नहीं होता है," वो हमेशा कहता था.

गाँव के लोग किसान को मूर्ख समझते थे.

"हमारे पास वो सब कुछ है जो हमें चाहिए," गाँव के लोग कहते थे.

"हमारे पास एक स्कूल है, और एक बाजार है.
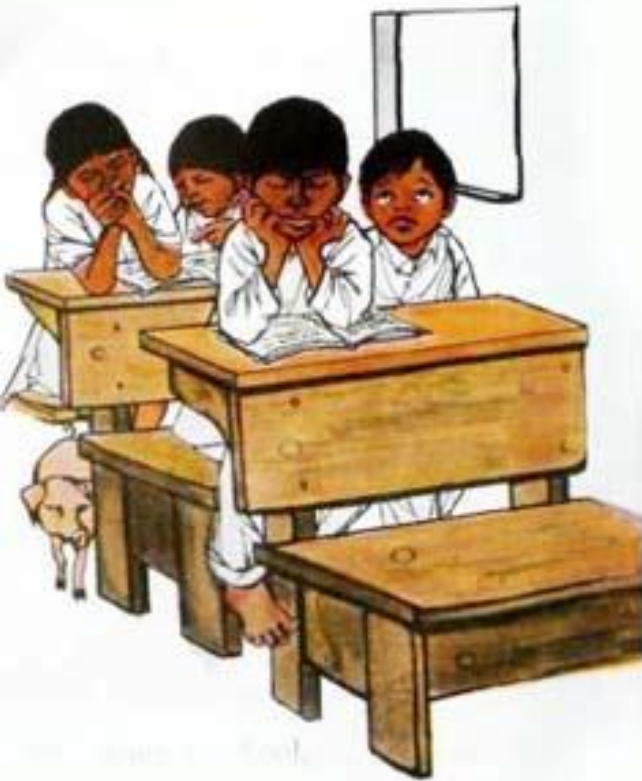
और एक पुराना चर्च है जिसकी घंटी हर रविवार को बजती है. हमारा गांव सबसे अच्छा है.”

"लेकिन यहाँ कभी कुछ नहीं होता है," किसान बार-बार वही कहता था.
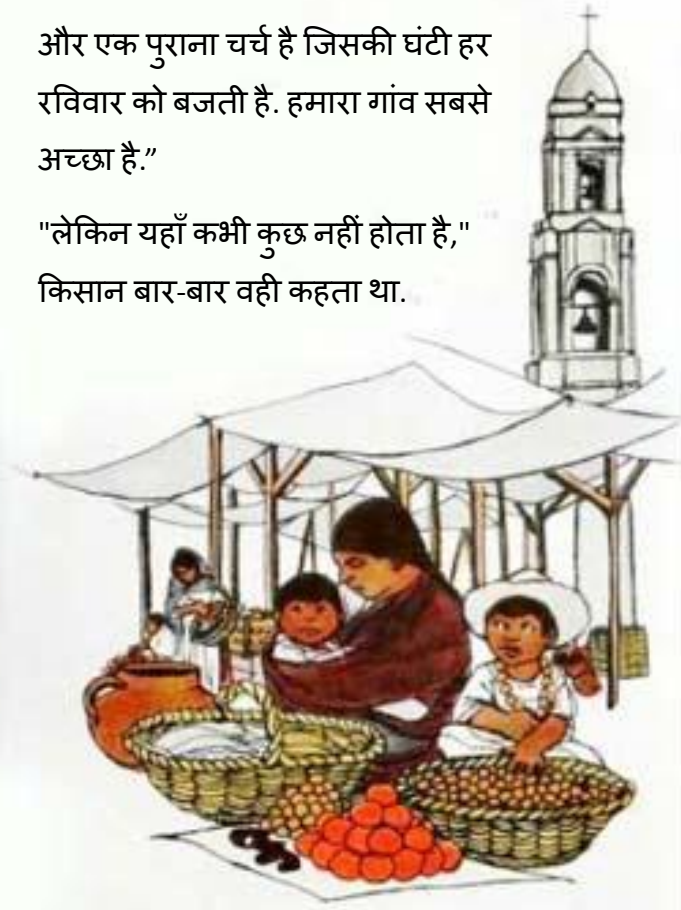
हर सुबह जब किसान उठता तो सबसे पहले उसे अपने छोटे से घर की छत दिखाई देती थी.

हर सुबह नाश्ते में वो मक्का की दो रोटियां खाता था.

पत्नी ने उन रोटियों को पहली रात बनाया होता था.

वो रोटी के ऊपर शहद डालता, और मिट्टी के मग से दालचीनी की चाय पीता.

"यहाँ कभी कुछ नहीं होता है," वो कहता था.
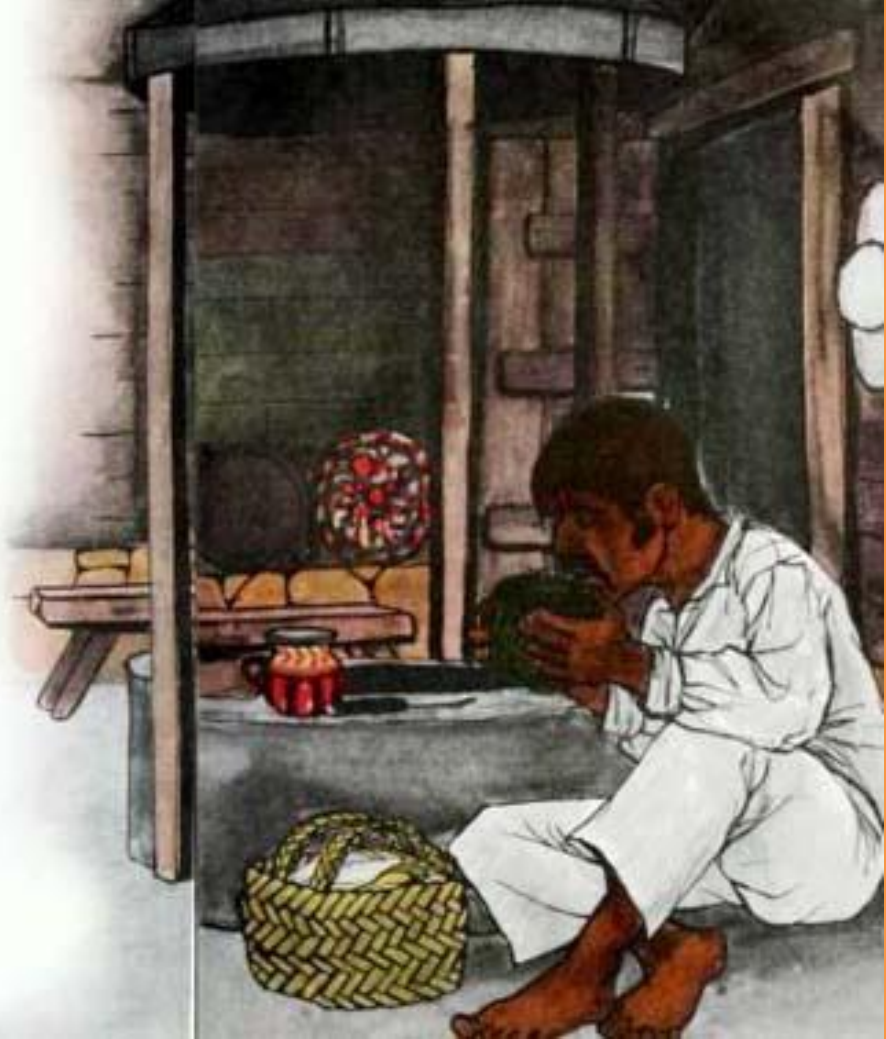
अभी भी अंधेरा था पर किसान अपने खेत के लिए निकलने को तैयार था.

उसका बेटा पाब्लो अभी भी सो रहा था.

"शायद आज," उसकी पत्नी ने कहा, "कुछ होगा."

"नहीं," किसान ने कहा.
"यहाँ कभी कुछ नहीं होता है."

किसान अपने बैल को खेत की और ले गया और उसने पीछे मुड़कर भी नहीं देखा.
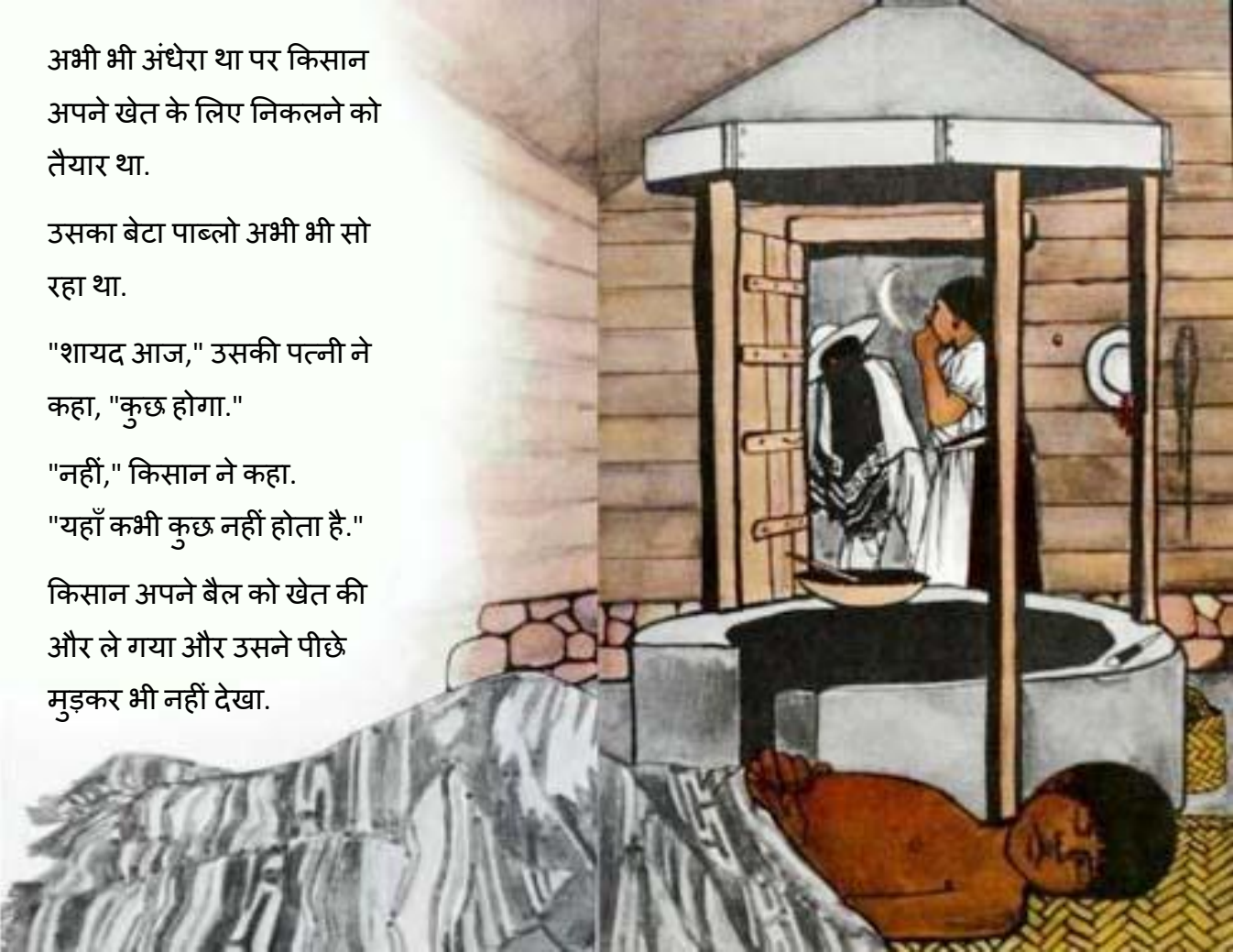
रात को किसान घर लौटा. उसने अपने बैल को खिलाया.

फिर वो आग के पास बैठ गया. पाब्लो, पाँच चिकने पत्थरों के साथ खेल रहा था.

उसने पत्थरों को उस गड्ढे की ओर फेंका जो उसने ज़मीन में बनाया था.

"देखो पापा!" पाब्लो चिल्लाया. "मेरा एक पत्थर छेद में चला गया!"
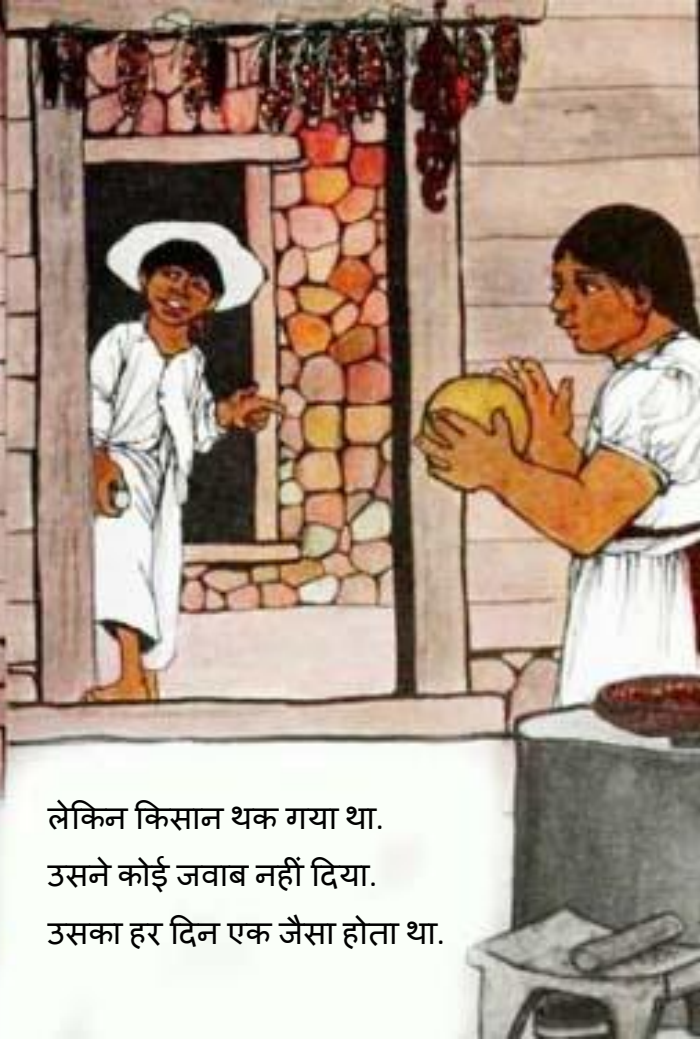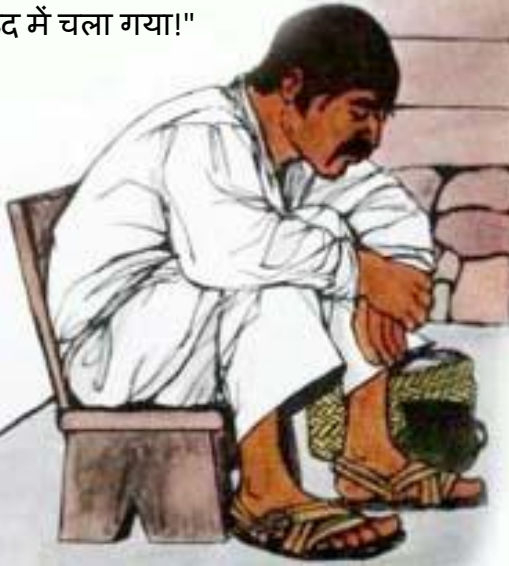
लेकिन किसान थक गया था.
उसने कोई जवाब नहीं दिया.
उसका हर दिन एक जैसा होता था.

एक सुबह किसान बहुत जल्दी उठा. उसने अपनी ऊनी कमीज पहनी.

उसने दीवार पर लगे खूंटे से अपनी बड़ी टोपी उतारी.

"आज मुझे खेत पर जल्दी जाना चाहिए," उसने कहा.

"अभी खेत की जुताई नहीं हुई है और फिर जल्द ही मक्का लगाने का समय आ जाएगा."

किसान ने पूरी सुबह
अपने खेत में काम किया.
बैल ने उसकी मदद की.

जब जुताई करते खेत में एक बड़ी चट्टान
आई तो बैल रुक कर बैठ गया.

किसान ने चट्टान को दूर धकेल दिया.

"चलो! चलो!" किसान ने कहा.

बैल ने किसान की ओर देखा.

फिर बैल उठा और उसने हल
को फिर से खींचा.

दोपहर के समय जब धूप तेज
थी तब पाब्लो खेत पर आया.

"पाब्लो!" किसान ने कहा. "आज तुम स्कूल क्यों नहीं गए?"

"आज स्कूल की छुट्टी है, पापा," पाब्लो ने कहा.

"मैं हल चलाने में आपकी मदद करने आया हूँ," पाब्लो ने कहा. किसान मुस्कुराया.

किसान ने अपनी जेब में हाथ डाला और उसने पाब्लो को एक छोटा लकड़ी का खिलौना दिया.

"एक बैल!" पाब्लो चिल्लाया. किसान ने वो खिलौना अपने बेटे के लिए दोपहर में आराम करते समय बनाया था.

पाब्लो ने किसान की खेत जोतने में मदद की.

बैल ने हल खींचा और हल से नीचे की मिट्टी ऊपर आई. पर अचानक हल रुक गया.

किसान और उसके बेटे ने धक्का दिया और बैल ने हल खींचा.

लेकिन हल नहीं हिला. वो टस-से-मस नहीं हुआ. हल मिट्टी में धंस गया.

और फिर वो मिट्टी में धंसता ही चला गया,

नीचे!

नीचे!

एक छोटे

से छेद में.

धीरे-धीरे छोटा छेद एक बड़ा छेद बन गया.

नीचे से शोर की आवाज़ आने लगी.

जमीन के नीचे गहराई से

किसी के घुर्राने की आवाज़ आने लगी.

किसान ने झांका.

पाब्लो ने भी झांक.

बैल ने भी अपना सिर घुमाया.

जमीन के छेद में से सफेद धुआं बाहर आया.

"दौड़ो!" किसान चिल्लाया.

"दौड़ो!"

फिर जोर से ज़मीन फटी.

और पृथ्वी खुल गई.

किसान भागा.

पाब्लो दौड़ा. बैल भी भागा.

जमीन से आग और धुआं निकलने लगा.

किसान अपने गाँव की ओर भागा.

वो चर्च के अंदर दौड़ता हुआ घुसा और उसने ज़ोर से चर्च की घंटी बजाई.

अन्य किसान भी अपने खेत छोड़कर दौड़े-दौड़े आए.

लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए.

"देखो!" किसान ने कहा.
"वहाँ देखो!"
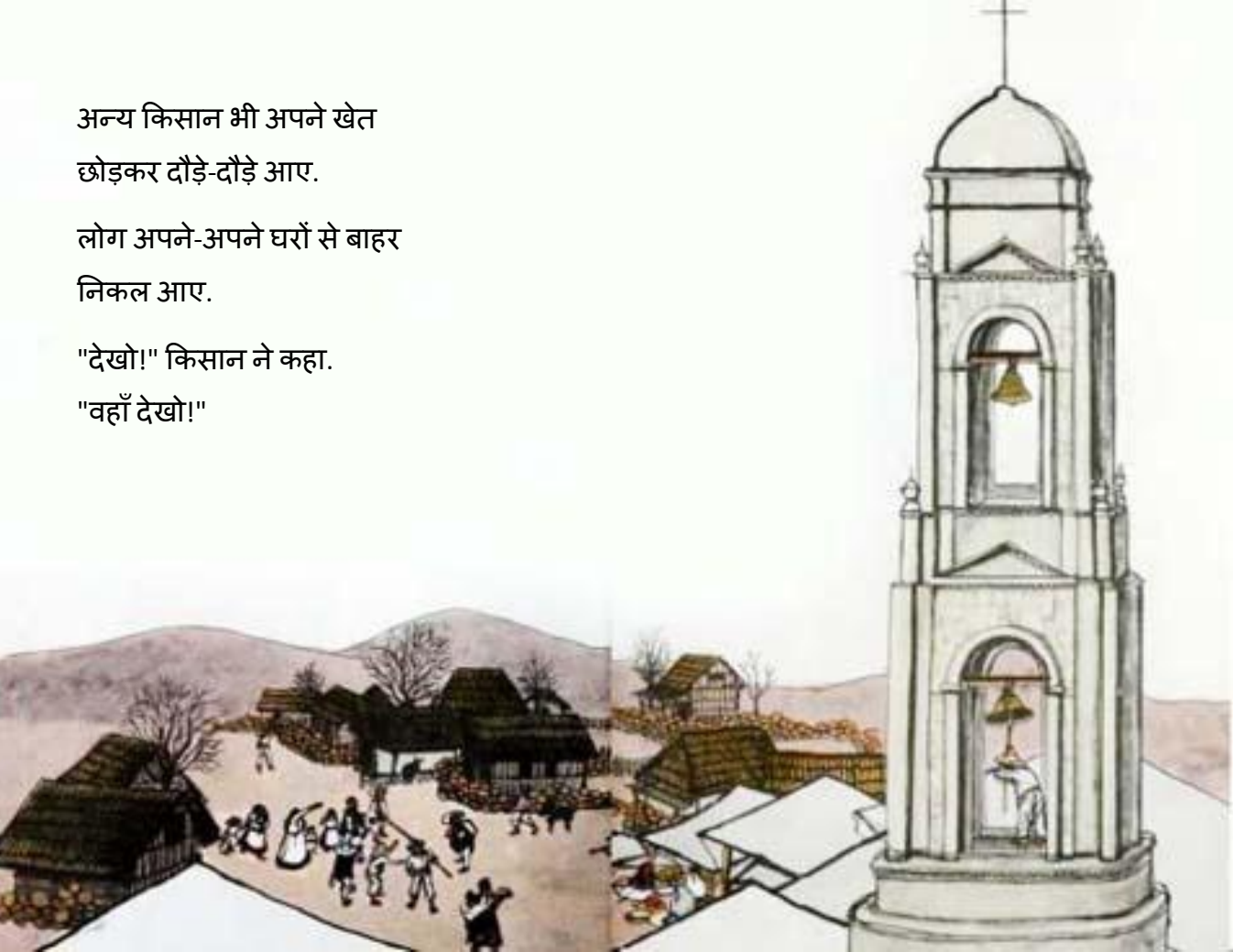
उस रात कोई नहीं सोया.

सबने आसमान में आग को उठते देखा.

आग वहां से निकल रही थे

जहां किसान का खेत था.

फिर एक जोरदार धमाका हुआ,
फिर एक और, फिर और ...
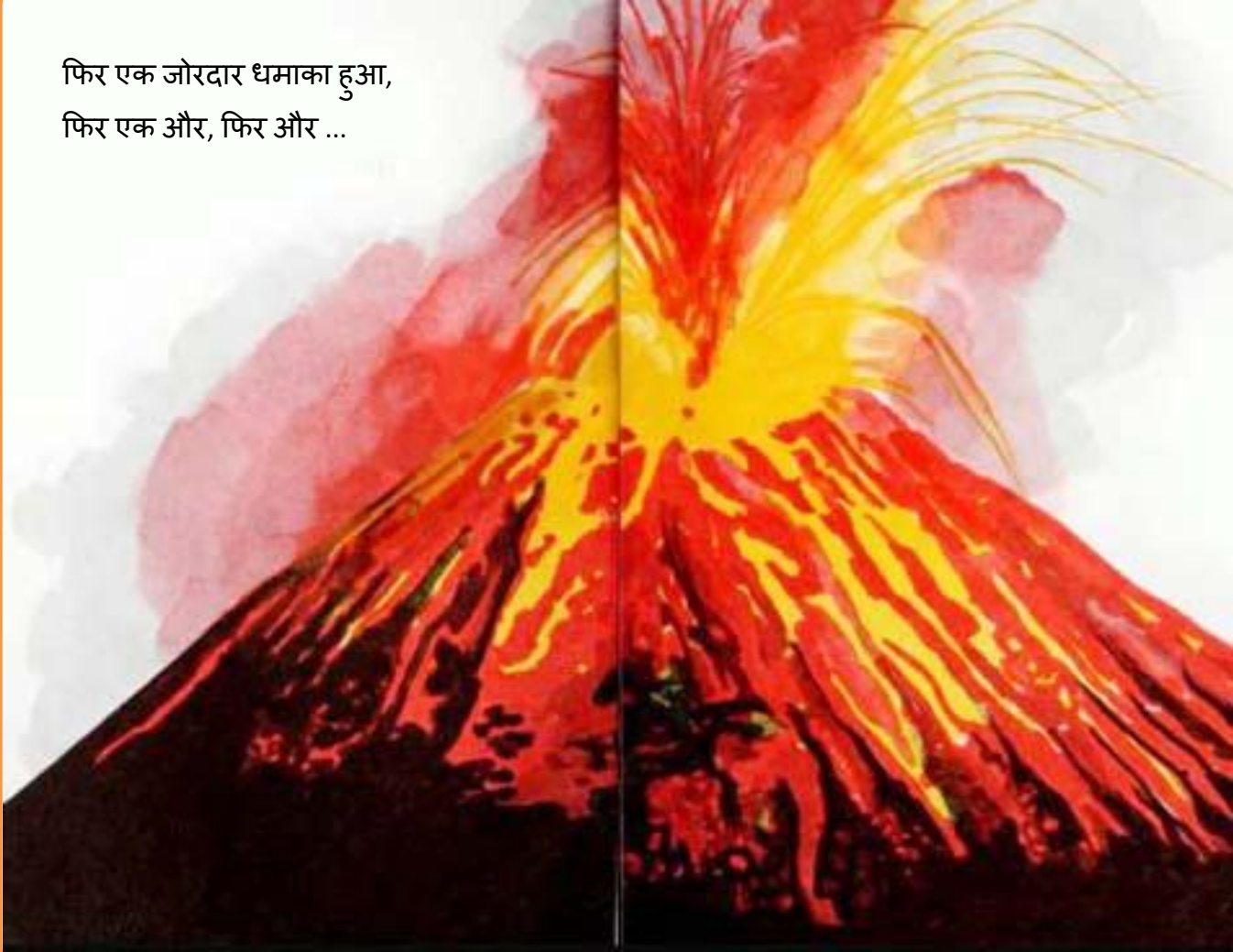
ज़मीन में से गर्म लावा बाहर निकलने लगा.

लावा पेड़ों में से होता हुआ जमीन पर फैल गया.

लावा उसके गांव की तरफ बहने लगा.

लावा किसान के घर की ओर बहने लगा.

जलते हुए पत्थर के टुकड़े हवा में उड़ने लगे.

अब धरती खांस रही थी. हर बार खांसने पर आग की एक बड़ी पहाड़ी आसमान में उठती थी.

कुछ ही दिनों में वो पहाड़ी, एक ऊंचे पहाड़ जितनी बड़ी हो गई.

और वहां हर चंद मिनटों में एक जोरदार धमाका होता था.

गिलहरी, खरगोश दौड़े और पक्षी आग से दूर भागे.

लोग अपने गधों और बैलों को सुरक्षित स्थानों पर ले गए.

जलती हुई राख के और लाल पत्थर के टुकड़े इधर-उधर उड़ रहे थे.

किसान और उसके पड़ोसियों ने धुएं से बचने के लिए अपनी नाक को गीले कपड़े से ढंका.

कुछ लोग भाप निकलते लाल लावा के पास गए.

वे अपने साथ बड़े क्रॉस लेकर गए.

उन्होंने आग पर काबू पाने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की. किसान और पाब्लो एक पहाड़ी के किनारे से उस नज़ारे को देख रहे थे.

जब धमाके बंद हुए और आग कम हुई,

तब तक किसान का घर नष्ट हो चुका था.

स्कूल भी जलकर ख़ाक हो चुका था.

बाजार गायब हो चुका था.

आधा गांव ध्वस्त हो चुका था.
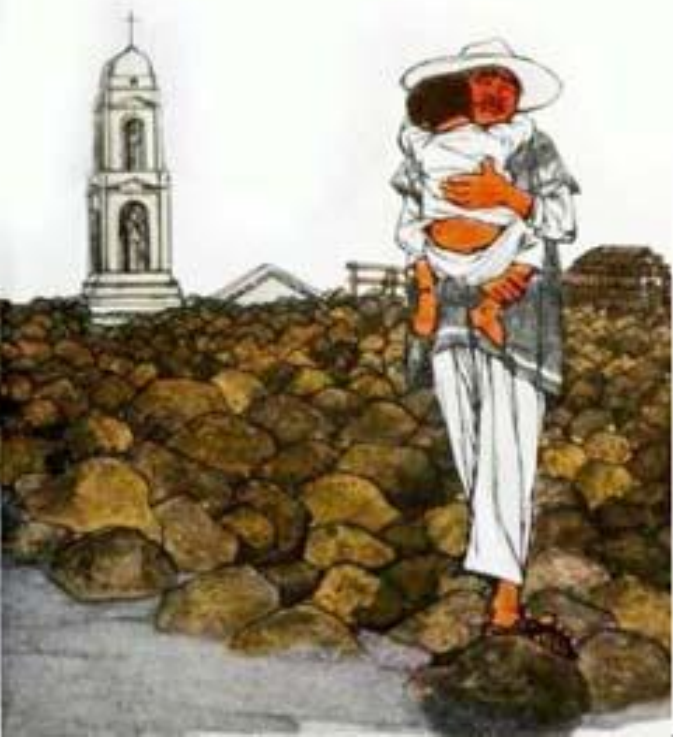
फिर एक दिन कुछ वर्दी पहने हुए सैनिक, कारों और ट्रकों में उनके गांव में आए.

"तो तुम वो हो जिसने पृथ्वी को खोला था," उन्होंने किसान से कहा. वे हँसे.

"यह गनीमत है कि तुम ज़िंदा बच निकले."

सैनिकों ने गाँव की ओर देखा. "सभी को यह गांव छोड़कर जाना होगा!" कप्तान ने कहा.
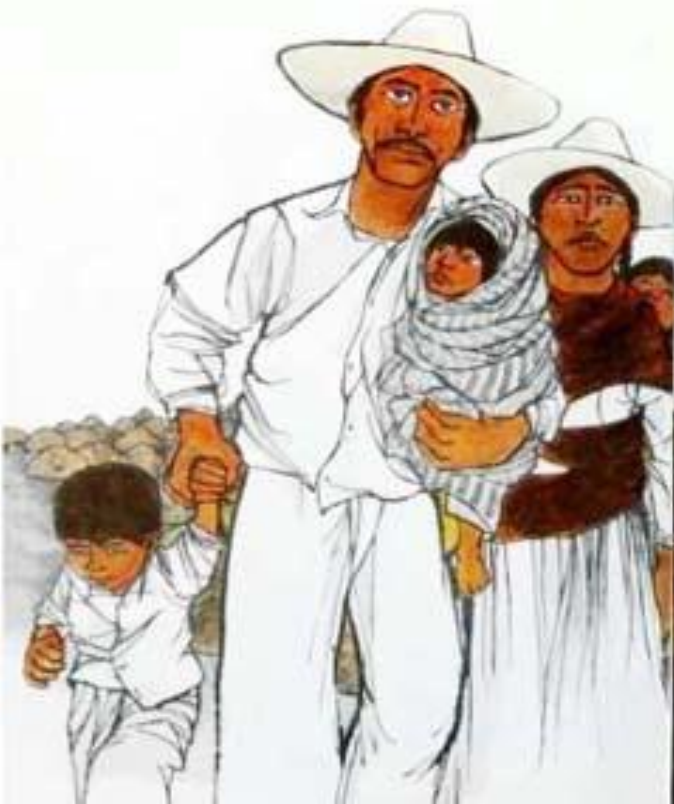
"अब यहाँ रहना सुरक्षित नहीं है."

फिर किसान, उसकी पत्नी और पाब्लो और गाँव के सभी लोग सैनिकों के साथ गए. वे ट्रकों में सवार होकर गए.
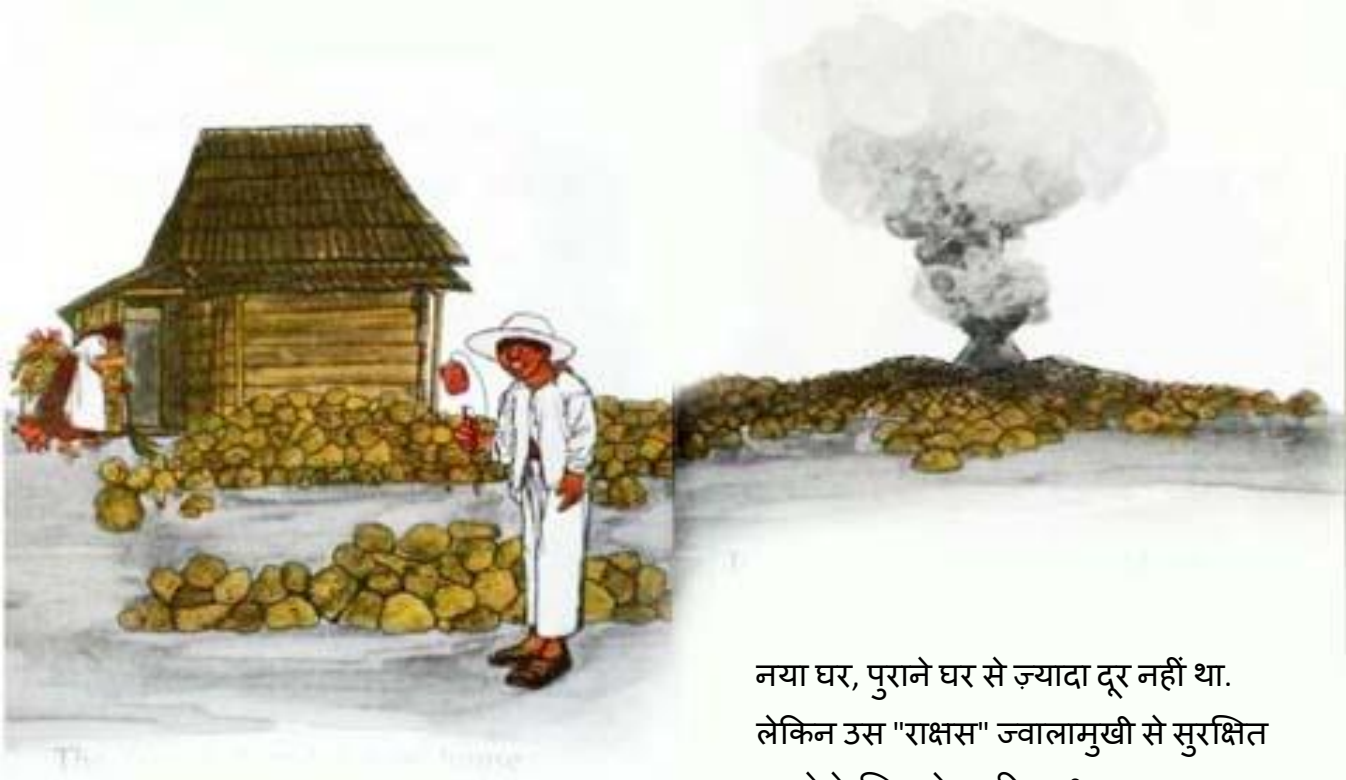
किसान को नया घर मिला.

नया घर किसान के पुराने घर से बड़ा था.

नया घर, पुराने घर से ज़्यादा दूर नहीं था. लेकिन उस "राक्षस" ज्वालामुखी से सुरक्षित बचने के लिए वो काफी दूर था.

लोगों ने उस भीषण ज्वालामुखी को "राक्षस" नाम दिया था.

लोगों ने एक नया गांव बनाया.

उन्होंने नया स्कूल और नया बाजार भी बनाया.

लोगों ने एक बड़ा उत्सव बनाया क्योंकि अब वे सुरक्षित थे. मेले में बैंड बजा. लोग ख़ुशी से नाचे और उन्होंने तालियां बजाईं.

"राक्षस" ज्वालामुखी को देखने के लिए लोग शहर से बस में सवार होकर आए.

गांव के लोगों ने उन्हें खाने के लिए संतरे, खरबूजे, हॉट डॉग और मक्का की रोटियां बेचीं.

अब किसान के पास एक नया खेत था. वो हर सुबह जल्दी उठता था. अभी भी अंधेरा था पर "राक्षस" ज्वालामुखी आकाश में चमक रहा था.

हर सुबह नाश्ते के लिए वो दो मक्का की रोटियां खाता था.

जिन्हें उसकी पत्नी ने पहली रात बनाया होता था.

किसान अपने नए खेत में गया. उसका बैल भी पहले की तरह उसके साथ गया.

कभी-कभी पाब्लो गांव के बच्चों को किसान से मिलवाने के लिए लाता था.

किसान के खेत से वे ज्वालामुखी से धुआं उठता हुआ देख सकते थे. ज्वालामुखी देखकर उन्हें लगता था जैसे कोई बूढ़ा आदमी अपने पाइप से धूम्रपान कर रहा हो.

बच्चों ने किसान से पूछा, "क्या आप एक ओर आग की पहाड़ी बना सकते हैं?"
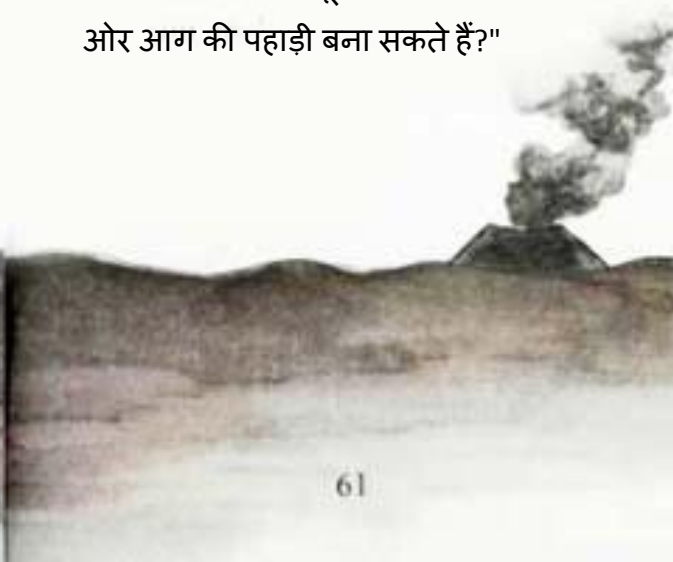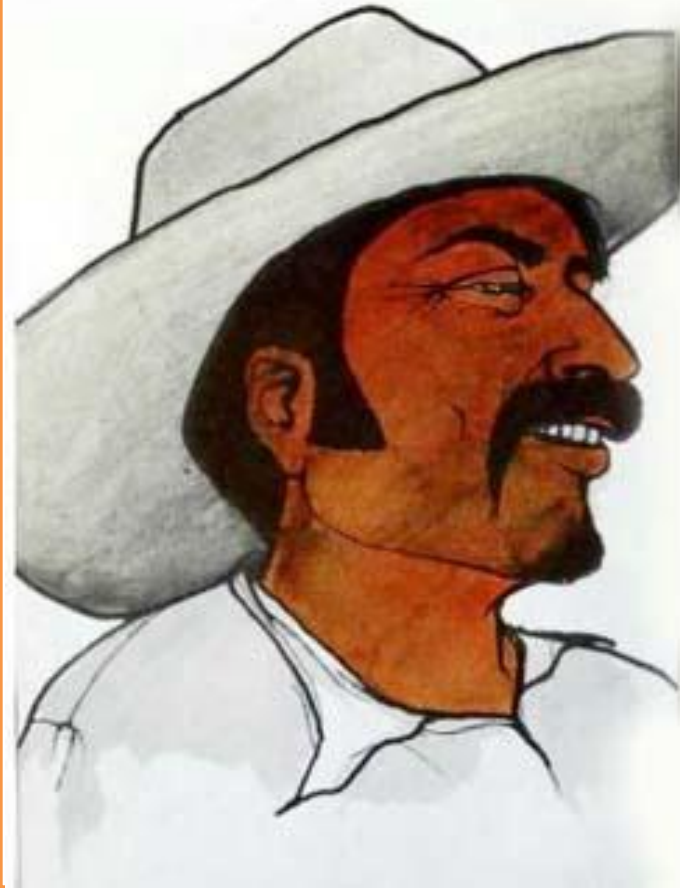
"नहीं, मेरे दोस्तों, नहीं." किसान ने कहा. फिर वो हंसा.

"मेरे लिए आग की एक ही पहाड़ी काफी है."

लेखक का नोट

यह कहानी 20 फरवरी, 1943 को परिकुटिन ज्वालामुखी के फटने की रिपोर्ट पर आधारित है. यह ज्वालामुखी मैक्सिकन राज्य मिचोआकान में, डायोनिसियो पुलिडो नाम के एक टारस्कैन इंडियन के मक्का के खेत में फटा था.

उस भयानक हादसे को कोई भी नहीं मरा नहीं लेकिन दो हजार से ज्यादा लोगों ने अपने घर खोए.

रिकॉर्ड किए गए इतिहास में केवल एक बार ही फटते हुए ज्वालामुखी के जन्म को, मानव आंखों ने देखा है. यह कैनरी द्वीप समूह में टेनेरिफ़ पर था.

आज भी लोग परिकुटिन जा सकते हैं. वहां वे ज्वालामुखी, और ध्वस्त हुए गाँव को भी देख सकते हैं - जो कठोर राख और लावा के काफी नीचे दबा हुआ है.

पाब्लो के पापा का हर दिन एक जैसा
ही होता था. फिर एक दोपहर को
ज़मीन घुर्राई और उसमें से धुआँ उठा,
जिसने उनका हल निगल लिया.
उनके मक्का के खेत के बीच में एक
ज्वालामुखी फट रहा था!